911

RTI REQUEST DETAILS

Registration No. :	WLIOI/R/2019/90001	**Date of Receipt :**	12/02/2019
Transferred From :	Ministry of Environment, Forest and Climate Change on 12/02/2019 With Reference Number : MOENF/R/2019/00106		
Type of Receipt :	Electronically Transferred from Other Public Authority	**Language of Request :**	English
Name :	Vikrant Tongad	**Gender :**	Male
Address :	84, Bhanota , Greater Noida, Uttra Pradesh, Pin:201311		
State :	Details not provided	**Country :**	Details not provided
Phone No. :	Details not provided	**Mobile No. :**	Details not provided
Email :	Details not provided		
Status(Rural/Urban) :	Details not provided	**Education Status :**	Details not provided
Letter No. :	Details not provided	**Letter Date :**	07/02/2019
Is Requester Below Poverty Line ? :	No	**Citizenship Status**	Indian
Amount Paid :	10)	**Mode of Payment**	Postal Order
Does it concern the life or Liberty of a Person ? :	No(Normal)	**Request Pertains to :**	
Information Sought :	WII may inform about any feasibility study regarding Morni Hills Leopard Sanctuary.		
Original RTI Text :	Please find the attached scan file		

Print Save Close

WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA
Right to Information Act, 2005
Apl. No. 67 Qtr. IV Year 2018-19
Fee — Inward Date 13/02/19

Online transferred from MoEFCC

910

सेवा में

जन सूचना अधिकारी

केंद्रीय पर्यावरण मंत्रलाय

इंद्रा पर्यावरण भवन, नई दिल्ली

विषय : सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत

संलग्न न्यूज़ में हरियाणा की मोरनी हिल्स को लेपर्ड सेंचुरी डिक्लेअर करने हेतु स्टेट वाइड लाइफ बोर्ड ने प्रयास किया है लेकिन उस पर ग्रामीणों का विरोध सामने आया है। ऐसे में पर्यावरण मंत्रालय को उचित कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही ग्रामीणों के मुद्दों का उचित रूप से निस्तारण किया जाए एवं इस सेंचुरी को भी डिक्लेअर किया जाए यह पर्यावरण हित में आवश्यक है।

1) इस सेंचुरी के डिक्लेयर करने हेतु पर्यावरण मंत्रालय एवं हरियाणा के बीच जितना भी पत्राचार हुआ है उस की कॉपी देने का कष्ट करें।

A. यदि पर्यावरण मंत्रालय का किसी तरह का पत्राचार नही हुआ है तो इस न्यूज़ को देखने के बाद पर्यावरण मंत्रालय ने पर्यावरण हित को आधार बनाते हुए राज्य को यदि कोई पत्र लिखा है तो उसकी कॉपी देने का कष्ट करें।

B. यदि पत्र नहीं लिखा है तो ने लिखने की वजह की सूचना देने का कष्ट करें।

2. मोरनी हिल्स एरिया को लेपर्ड सेंचुरी डिक्लेयर करने हेतु वन विभाग हरियाणा की पूर्ण रिपोर्ट की कॉपी देने का कष्ट करें।

3. मोरनी हिल्स के संबंध में WII द्वारा फीजिबल स्टडी की गई है उस स्टडी की कॉपी देने का कष्ट करें।

4.लेपर्ड सेंचुरी ग्रामीणों द्वारा या किसी स्थानीय एमएलए या जनप्रतिनिधि द्वारा जो भी लिखित आपत्ति जताई हुई है इस प्रोजेक्ट के लिए उन सभी आपत्तियों की कॉपी देने का कष्ट करें

5. सूचना देने का कष्ट करें कि यह प्रोजेक्ट ग्रामीणों के विरोध के बाद स्थगित कर दिया गया है या कार्यवाही अभी जारी है।

6. पिछले 15 वर्षों में पूरे देश में नोटिफाई की गई प्रत्येक सेंचुरी की लिस्ट दीजिए, साथ ही यह भी सूचना दीजिए कि कितनी सेंचुरी नोटिफिकेशन की प्रोसेस में है।

7. पिछले 10 वर्षों में देशभर में जितनी भी सेंचुरी पूर्ण रूप से आंशिक रूप से डिनोटिफाई की गई है उन सभी की लिस्ट देने का कष्ट करें। साथ ही उन सभी सेंचुरी के डिनोटिफाई की भी लिस्ट देने का कष्ट करें

RTI Cell

...lication/Appeal No. MOENF/ R/2019/106

Dated 7/2 Received on 12/2

Fee Additional Fee Received vide D.D./I.P.O. No.

R. Rawat

(909)

जिनका डी नोटिफिकेशन अंडर प्रोसेस है।

8. प्रत्येक नोटिफाइड वेटलैंड की लिस्ट की कॉपी देने का कष्ट करें।

A. साथ ही उन सभी वेटलैंड के लिस्ट देने का कष्ट करें जिन्हें डिनोटिफाई किया गया है ।

B. एवं उन वेटलैंड की लिस्ट देने का कष्ट करें जिनका डी नोटिफिकेशन अंडर प्रोसेस है।

9. सेंचुरी एवं वेटलैंड्स के रखरखाव हेतु केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा पिछले 10 वर्षों में जो भी फंड जारी किया गया है उस की कॉपी देने का कष्ट करें।

10. जिला गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश के शहर नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में बढ़ते वायु प्रदूषण के नियंत्रण हेतु बनाई गई योजना एवं उसको लागू करने से संबंधित रिपोर्ट की कॉपी दीजिए।

11. रीयल एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन की स्थापना कि वह किस स्थान पर कितनी ऊंचाई पर लगाया जाना चाहिए किन-किन एरियाज में लगाया जाना चाहिए इस बारे में नीति यदि बनाई गई है तो उसकी कॉपी देने का कष्ट करें।

12. देशभर में भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है ऐसे में भूजल स्तर की मॉनिटरिंग हेतु रियल टाइम ग्राउंड वॉटर मॉनिटरिंग हेतु सरकार की नीति की कॉपी दीजिए ।

A) एवं देश में इस समय इंस्टॉल किए गए रियल टाइम ग्राउंड वाटर मॉनिटरिंग स्टेशंस की लिस्ट दीजिए।

B. साथ ही जानकारी दीजिए कि इंस्टॉल किए गए रियल टाइम मॉनिटरिंग स्टेशंस की रीडिंग पब्लिक के लिए किस माध्यम से उपलब्ध है।

धन्यवाद 07/01/019

विक्रांत तोंगड़
84, भनौता, ग्रेटर नोएडा
UP, 201311,
9310842473

संलग्न: उपरोक्तानुसार एवम IPO (45F 882267)

नोट: जो बिन्दु आपके विभाग से जुड़े नहीं हैं उन्हें संबन्धित विभाग को प्रेषित करने का कष्ट करें।

9.8

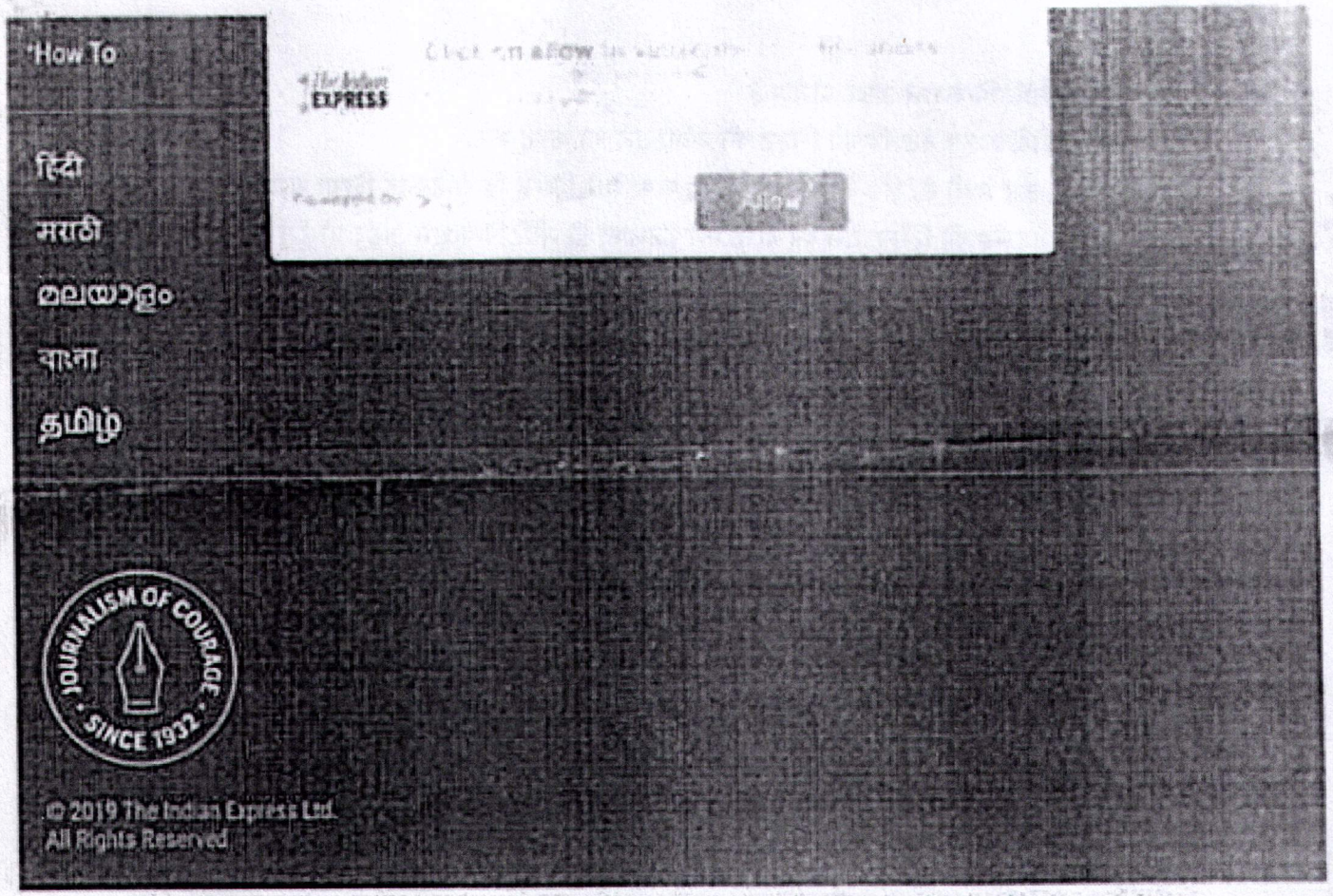

CITIES

Morni villagers say no to leopard sanctuary in area

The restrictions included, no construction of concrete houses, resettlement of small hamlets and restriction of picking the broken woods from forested area.

Written by Saurabh Prashar | • Panchkula |
Updated: February 3, 2019 5:15:05 am

RELATED NEWS

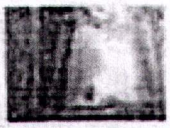

907

...says drop Corbett

Allow

Kanha-Pench tiger corridor: Three flyovers to come up on NH-7

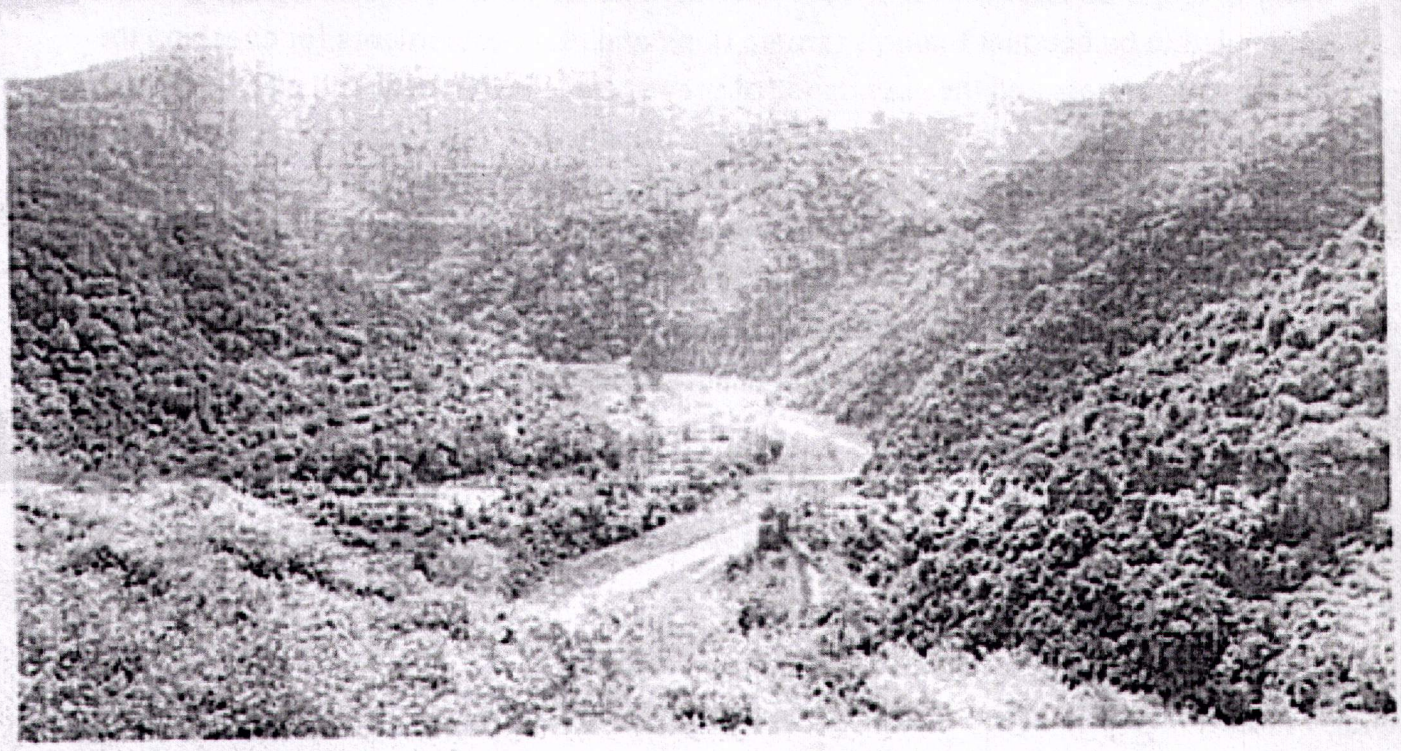

Morni forest area. (Saurabh Prashar)

Haryana Forests and Wildlife Department has dropped the project of making a leopard sanctuary in Morni hills.

The project, which was proposed in 2017 by senior biologists of Wildlife Institute of India (WII), Dehradun, was dropped because residents of 20 Panchyats raised strong objection over the making of the sanctuary as it requires strict restrictions on movements of local dwellers.

The restrictions included, no construction of concrete houses, resettlement of small hamlets and restriction of picking the broken woods from forested area.

Morni hills spread a wildlife sanctuaries According to Harya leopardess were re

Click on allow to subscribe to notifications
Powered by iZooto
Allow
Later

partment. Two n Morni hills. 55 leopards and

Conservator of Forests (Wildlife), Panchkula, ML Rajvanshi, said, "We engaged a team of wildlife experts under the supervision of senior biologist, Dr Bilal Habib of WII for a feasible study of leopards in Morni. Rs 80 lakh were sanctioned for the project. The study was scheduled to be conduct through camera traps and other equipments for checking the movements of cats and the abundance of prey species in the area. The plan was dropped when objections were raised by local residents of Morni through their political representatives. The presence of around 55 leopards, leopardess and cubs has been established on the basis of sightings and pug marks. A sanctuary requires strict rules and restrictions. At present, local villagers are allowed to pick and take away firewood from forest. But once the area is declared as a sanctuary, local dwellers will not be allowed to take anything from the sanctuary. A sanctuary also requires restriction on constructions and motor vehicles."

Morni hills touch the Kalesar National Park, Yamunanagar, which is near the boundary of Himachal Pradesh. Including the Kalesar National Park, there are more than one hundred leopards in the area.

Advertisement

Kalka MLA Latika Sharma said, "Local villagers were not in the favor of construction of leopard sanctuary in Morni. I conveyed the objections of villagers to senior officers. The Haryana Forest and Wildlife Department is exploring other ways to promote local economy and tourism in Morni hills."

1 Comment(s)

Wildlife Institute of India